CHAPTER 8, उसकी माँ
PAGE 105, अभ्यास

11:8:1: प्रश्न-अभ्यास:1

1. क्या लाल का व्यवहार सरकार के विरुद्ध षड्यंत्रकारी था?

उत्तर- चुकि पाठ के आधार पर हमने पढ़ा की लाल का व्यवहार बहुत ही क्रांतिकारी प्रवृति का था । और उनके जीवन का एक मात्र उद्देश्य अपने देश को आज़ाद कराना था और वो इसके लिए वह हमेशा प्रयत्नशील रहे । उनके बढ़ते क्रांतिकारी प्रयत्नो के कारण अंग्रेजी सरकार ने उन्हें राजद्रोही घोषित कर दिया था । लेकिन उन्होंने कभी भी सरकार के विरुद्ध कोई षड़यंत्र नहीं किया था । लेकिन उनकी क्रांतिकारी प्रवृति एवं कार्यो के कारण अंग्रेजो ने उन्हें फंसा दिया । मेरे अनुसार

अगर देखा जाये तो हम उनके क्रन्तिकारी विचारों को षड्यंत्रकारी नहीं कह सकते हैं ।

11:8:1: प्रश्न-अभ्यास:2

2. पूरी कहानी में जानकी न तो शासन-तंत्र के समर्थन में है न विरोध में, किंतु लेखक ने उसे केंद्र में नहीं रखा बल्कि कहानी का शीर्षक बना दिया। क्यों?

उत्तर- इस कहानी के अनुसार जानकी के चरित्र को कुछ यु दर्शाया गया है कि जानकी किसी भी शासन तंत्र का हिस्सा नहीं है। वह केवल अपने संतान से अतिप्रेम तथा उसकी सुरक्षा का चिंतन करने वाली मां है। एक माँ का शासन और उनकी व्यवस्था से कोई लेना-देना नहीं होता है। एक माँ के लिए उसके बच्चे ही सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होते हैं। जानकी राजनीति, शासन, स्वतंत्रता से अनभिज्ञ है। बच्चों के लिए वह मां के निस्वार्थ

प्रेम को दिखाना चाहती है जो उसे इस शासन तंत्र से अलग करता है। वह न कभी शासन तंत्र का विरोध करती है ना कभी उसका समर्थन करती है लेकिन उसकी समझ और भावनाए वैसी ही है जो मनुष्य को तर्क के द्वरा समाज से वरदान के रूप में प्राप्त होता है। तो यह कहानी लाल के साथ शुरू जरुर होती है लेकिन यह हमेशा उसकी माँ के आसपास घुमते रहते है, इसीलिए लेखक ने इस कहानी में जानकी को शीर्षक बनाया है।

11:8:1: प्रश्न-अभ्यास:3

3. चाचा जानकी तथा लाल के प्रति सहानुभूति तो रखता है किंतु वह डरता है। यह डर किस प्रकार का है और क्यों है?

उत्तर- इस कहानी में चाचा के चरित्र को एक आम आदमी के रूप में दिखाया गया है। चाचा को देश में हो रही घटनाओं से कोई लेना देना नहीं है। वो

अपना जीवन बड़े आराम से जीते है उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता की देश आजाद है या गुलाम । उसका जीवन आसानी से कट रहा है। लाल और जानकी चाचा के पड़ोसी है इसलिए चाचा उनके प्रति सहानुभूति रखते है वह नहीं चाहते है कि वह किसी सरकारी लफड़े में पड़े इसलिए ये जानते हुए भी की लाल को पुलिस ने बिना किसी कारण के पकड़ा है। वह उसका विरोश नहीं कर पाते उन्हें ये लगता है कि अगर वह सीधे लाल और उनकी मां की मदद करेंगे, तो उन्हें भी अंग्रेजी सरकार का प्रकोप झेलना पड़ेगा। वह इस लफड़े में पड़ कर अपना और अपने परिवार का जीवन तबाह नहीं करना चाहते थे वह लाल और उसकी मां के प्रति सहानुभूति रखने के बाद भी, वह खुद को दोनों से अलग रखता चाहते है। वह अपने परिवार को सरकार के तानाशाही रवैये से बचाना चाहते हैं।

11:8:1: प्रश्न-अभ्यास:4

4. इस कहानी में दो तरह की मानसिकताओं का संघर्ष है, एक का प्रतिनिधित्व लाल करता है और दूसरे का उसका चाचा। आपकी नज़र में कौन सही है? तर्कसंगत उत्तर दीजिए।

उत्तर- चुकि इस कहानी में देखा जाये तो लाल की मानसिकता और उसके विचार सही है। इस कहानी में लाल उन युवाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं जो अपने देशप्रेम के प्रति कुछ भी करने को आतुर है और देश उनके लिए प्रथम है इस कहानी में ये भी दर्शाया गया है की लाल देश के प्रति देशप्रेमी तो है अपनी मां के प्रति बिल्कुल भी जिम्मेदार नहीं है। अगर हम गहराई में जाएं, तो यह समझ में आता है कि देश के ने स्वतंत्रता इतनी आसानी से प्राप्त नहीं है। कितनो ने अपनी जवानी कुर्बान की है देश के लिए । इस कहानी में अगर हर चाचा की मानसिकता देखि जाये तो अगर चाचा जैसे इंसान बस देश में होते तो हमारा देश आज भी

गुलामी की जंजीरों से जकड़ा होता । हम आज लाल जैसे कितने युवाओ के बलिदान से ही एक स्वतंत्र देश में रह रहे हैं। इसलिए लाल की मानसिकता श्रेष्ठ थी । उसने हमेशा अपने देश को गुलामी से आजाद करने का प्रयत्न किया उसके लिए देश प्रथम था जबकि चाचा के लिए उनका परिवार प्रथम था ।

11:8:1: प्रश्न-अभ्यास:5

5. उन लड़कों ने कैसे सिद्ध किया कि जानकी सिर्फ़ माँ नहीं भारतमाता है? कहानी के आधार पर उसका चरित्र-चित्रण कीजिए।

उत्तर- उन लड़के को हमेशा जानकी के स्वरूप में भारत माता का स्वरुप दीखता था वे अक्सर माँ जानकी को उनके शारीरिक बनावट और स्वभाव के आधार पर उसे भारतमाता कहते थे। जानकी एक बूढ़ी महिला है, उसके बाल सफेद हो चुके हैं, लड़के

उसके सफेद बालों को हिमालय पर्वत का दर्जा देते थे । जानकी के माथे पर पड़ रही झुरियो को वे भारत में बहने वाली तमाम नदियों के रूप में देखते थे और जानकी की ठोड़ी को देख कर उन्हें कन्याकुमारी का एहसास होता था। इस पाठ में लिखित कहानी के आधार पर, जानकी का चरित्र-चित्रण कुछ इस प्रकार किया गया है: -

(क) इस कहानी में जानकी को एक सीधी-सादी महिला के रूप दिखया गया है। उसका समाज में हो रही किसी भी घटना से लेना देना नहीं है उसके लिए उसके बच्चे सब कुछ है।

(ख) जानकी ममता के वात्सल्य से परिपूर्ण है। जानकी न केवल अपने पुत्र के लिए बल्कि उसके मित्रों के लिए भी उसके मन में वही ममता के भाव है

(ग) जानकी खुश और त्यागमयी है है, वह अपने बेटे और उसके दोस्तों के लिए भोजन

की व्यवस्था के लिए अपनी सारी पूंजी खुशी से खर्च करती है।

(घ) जानकी कभी किसी से कोई मदद नहीं मांगती वह एक स्वाभिमानी महिला हैं। वह हमेशा अपने स्वाभिमान और अपने बच्चो के रक्षा के लिए खुद को तैयार रखती है । वह अपना सबकुछ बेच देती है लेकिन किसी से दया की उम्मीद नहीं करती ।

11:8:1: प्रश्न-अभ्यास:6

6. विद्रोही की माँ से संबंध रखकर कौन अपनी गरदन मुसीबत में डालता? इस कथन के आधार पर उस शासन-तंत्र और समाज-व्यवस्था पर प्रकाश डालिए।

उत्तर- उसके डर से समाज भी बेहाल था। हर कोई डरता था। शासन के डर से क्रांतिकारियों की मदद करना मुसीबत को आमंत्रित करने जैसा माना

जाता था। शासन प्रणाली जिस पर संदेह था, उसे पकड़ लिया था। उसका मानना था कि अपने विरूद्ध उठती आवाज़ को बंद करने में ही शासन की बेहतरी है । समाज ऐसा था जो अपने लिए सोचता था। इसकी सोच केवल स्वार्थ में मौजूद थी। समाज में एकता नहीं थी। सबको अपने से मतलब था। लाल और जो उसकी मां की मदद करता है । यह दर्शाता है कि उस समय अपशिष्ट शासन प्रणाली और सामाजिक प्रणाली थी।

PAGE 106, अभ्यास

11:8:1: प्रश्न-अभ्यास:7

7. चाचा ने लाल का पेंसिल-खचित नाम पुस्तक की छाती पर से क्यों मिटा डालना चाहा?

उत्तर- अपनी किताब में लाल का नाम देखकर चाचा उस नाम को मिटाने के लिए परेशान थे।

इसके पीछे कई कारण थे। उन्होंने किताब पर लाल का नाम देखकर अपनी लाचारी और डर महसूस किया। यह नाम उसे पीड़ा देता था। लाल ने खुद को देश के लिए समर्पित कर दिया था। उनकी मां असहाय थीं। लेखक माँ की मदद करने में सक्षम नहीं था। शासन के साथ शत्रुता का डर उसे परेशान करेगा। सुपरिंटेंडेंट की तस्वीर उसकी आंखें घुमने लगती थी। उसकी आँखों ने उसे डरा दिया। वह असहाय महसूस कर रहा था। लाल के नाम को देखकर उसे और अधिक असहाय महसूस हुआ। उसने उसे एहसास दिलाया कि वह कितना कमजोर है। एक देशभक्त की माँ की मदद नही सका।

11:8:1: प्रश्न-अभ्यास:8

8. 'ऐसे दुष्ट, व्यक्ति-नाशक राष्ट्र के सर्वनाश में मेरा भी हाथ हो' के माध्यम से लाल क्या कहना चाहता है?

उत्तर- भारत माता की छवि या धारणा हमारे हृदय में वैसी ही है जैसी किसी देवी या माता की छवि अंकित है। जब एक बच्चा अपनी आँखें खोलता है, तो वह खुद को माँ की गोदी में पाता है और अपनी माँ को देखता रहता है। इस प्रकार, हम भारत में तब पैदा हुए जब भारत माता ने हमें धरती पर आते ही अपनी गोद में ले लिया, इसलिए भारत माता की छवि माँ से अधिक है, लेकिन कम नहीं है। समय बदल रहा है। । संतान माँ की इज्ज़त नहीं कर पा रही है तो भारत माता की कहाँ से कर पाएगी । देश को खाने वाले देशद्रोही भारत माता के अस्तित्व को बेच रहे हैं और लूट रहे हैं। अतः “नमन तुझे करूँ मैं भारत ,तू ही मेरी जान है गलती अगर पुत्रों से हो तब भी तू महान है“।

11:8:1: प्रश्न-अभ्यास:9

9. जानकी जैसी भारत माता हमारे बीच बानी रहे , इसके लिए 'बेटी बचायो, बेटी पढ़ायो ' के सन्दर्भ में विचार कीजिये।

उत्तर- स्त्री का जो भी रूप हम लेते हैं, एक महिला की प्रत्येक छवि खुद से कहती है, 'अपनी बेटी बचाओ, अपनी बेटी का अध्ययन करो', अगर महिला नहीं है, तो सृजन नहीं, दुनिया नहीं, दुनिया नहीं। मां जानकी एक ऐसी महिला है जो हर बच्चे की मृत्यु तक रक्षा करती है। वह बेटे के साथ-साथ उसके दोस्तों के लिए भी ऐसा करती है। इसी तरह, अगर सभी महिलाएं और बेटियाँ पैदा होने लगें तो हमारा देश फिर से महान बन जाएगा।।

11:8:2: योग्यता-विस्तार:1

10. पुलिस के साथ दोस्ती की जानी चाहिए या नहीं? अपनी राय लिखिए।

उत्तर- अगर हम दोस्त बनना चाहते हैं, तो कोई फर्क नहीं पड़ता कि हम कौन हैं। दोस्ती एक आदमी के साथ की जाती है न कि उसकी स्थिति या पैसे से। अगर वह आदमी आपका दोस्त होने का हकदार है, तो हमें दोस्ती करनी चाहिए। मित्रता इस तथ्य के कारण नहीं होनी चाहिए कि यदि मित्र अंदर से है, जो हृदय से है, उसे किया जाना चाहिए। परिणाम यह है कि हम उस मित्र की वर्दी का लाभ उठाकर अनुचित कार्य करने के लिए स्वतंत्र हैं। इतना ही नहीं। हमें इंसान से उसकी स्थिति से दोस्ती नहीं करनी चाहिए। यह दोस्ती की असली पहचान है।

11:8:2: योग्यता-विस्तार:2

11. लाल और उसके साथियों से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर- लाल और उनके साथी हमें प्रेरित करते हैं कि हमें निरंकुश शासन का विरोध करना चाहिए। हमें निडर होकर उस सरकार का विरोध करना चाहिए जो अपने नागरिकों के हितों को नुकसान पहुंचाना शुरू करता है। इसके अलावा, हमें अपने देश के लिए अपने जीवन का बलिदान करना चाहिए। अगर हमें देना है, तो भी किसी को संकोच नहीं करना चाहिए। लाल और उनके साथी अपने देश के लिए बलिदान देने से नहीं हिचकिचाते हैं। उन्होंने सिखाया है कि हम अत्याचार के खिलाफ हैं। हमें गुलामी के जीवन से मुक्ति के लिए विरोध और प्रयास करना चाहिए।